

(b) if so, when the above narrow gauge line of Orissa is expected to be converted into Broad gauge; and

(c) the steps taken in this regard?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (c) A survey was carried out for conversion of Rupsa-Bangriposhi N.G. line to B.G. and its extension to Dalbhumgarh, in 1979. The project was found to be unremunerative and, therefore, could not be taken up.

On consideration of development of backward and tribal areas, it has been decided that the survey already carried out for its conversion and its extension would be updated so that the matter could be reviewed.

#### **Construction of a Platform at Barbil Railway Station, Orissa**

493. SHRI BAIKUNTHA NATH SAHU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have a proposal to construct a platform at Barbil Railway station in Orissa;

(b) if so, the details thereof and the amount allocated for that purpose; and

(c) the steps taken to expedite the construction work and the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) to (c) Extension of the existing 72 Metres

long goods platform at Barbil Railway Station by another 30 Metres is a sanctioned work at a cost of Rs. 83,820.00. The work will be started soon after completion of certain formalities and the same is likely to be completed in 1990. The amount allocated for this work during 1989-90 is Rs. 20,000.00.

#### **Production and Prices of Cotton Crop in the Country**

494. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the expected production of cotton crop for the year 1989-90;

(b) what are the present prices of various varieties of cotton as also their prices last year;

(c) whether it is a fact that the farmers have refused to sell their cotton due to low prices; and

(d) if so, what steps are being taken to control the situation?

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI DEVI LAL): (a) The estimates of cotton production during 1989-90 have not yet become due from the States. However, according to the present assessment, the production of cotton during 1989-90 is provisionally expected to be about 88 lakh bales.

(b) The requisite information in respect of important Centres/Varieties of cotton is as follows:—

| State/Centre      | Variety   | Wholesale Prices of raw cotton |                          |
|-------------------|-----------|--------------------------------|--------------------------|
|                   |           | Lastest                        | Corresponding a year ago |
| 1. Punjab         | F-414     | 740                            | 720                      |
| Malout            |           | (1.12.89)                      | (25.11.88) •             |
| 2. Tamil Nadu     | MCU-5-1   | 975                            | 1080                     |
| Tirupur           |           | (15.12.89)                     | (16.12.88)               |
| 3. Gujarat        | Shankar-4 | 891                            | 750                      |
| Broach            |           | (1.12.89)                      | (2.12.88)                |
| 4. Andhra Pradesh | Hybrid-4  | 906                            | 878                      |
| Adoni             |           | (27.10.89)                     | (28.10.88)               |

(c) and (d) The farmers of important cotton growing Districts of Andhra Pradesh have been hesitant to sell their produce in expectation of higher prices. However, with increased volume of purchases by the Cotton Corporation of India (CCI), there has been an increase in prices by 7 to 20 per cent over and above the Minimum Support Prices in Andhra Pradesh. The Government have also released additional export quota of two lakh bales of long staple cotton for providing the growers the benefit of higher prices.

#### देश में तिलहनों का उत्पादन

495. श्री राम जेठमलानी:

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले खरीफ मौसम के दौरान देश में तिलहन के उत्पादन में नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है;

(ख) यदि हां, तो उपर्युक्त मौसम के दौरान तिलहनों का कुल उत्पादन कितना रहा है;

(ग) क्या यह भी सच है कि तिलहनों के रिकार्ड उत्पादन के बावजूद खाद्य तेलों के आयात का निर्णय लिया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं?

उप-प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल): (क) और (ख) दिनांक 28/29 सितम्बर, 1989 को हुए खरीफ अभियान के राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान राज्य सरकारों द्वारा सप्लाई किए गए आंकड़ों के आधार पर, 1989-90 के खरीफ मौसम में तिलहनों का कुल उत्पादन 97.65 लाख मीट्रो टन होने की आशा है, जबकि खरीफ 1988-89 के दौरान 103.03 लाख मीट्रो टन का रिकार्ड उत्पादन हुआ था।

(ग) और (घ) देश में बढ़ती हुई मांग तथा देशी उत्पादन में से सप्लाई की क्षमता के अन्तर को पूरा करने के लिए खाद्य तेल का आयात किया जाता है। तेल वर्ष 1989-90 के दौरान खाद्य तिलहनों के उत्पादन के इस समय के अनुमान के आधार पर देश में खाद्य तेल का मांग तथा सप्लाई के बीच अन्तर हो सकता है।

#### देश में वृद्धावस्था पेंशन का दिया जाना

496. श्री राम जेठमलानी:

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के कई राज्यों में वृद्धावस्था पेंशन दी जा रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि हाल ही में इन राज्य सरकारों द्वारा ऐसी पेंशनों की राशि में वृद्धि की गई है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार एक समान योजना बनाने और उसे समस्त देश में कार्यान्वित करने का विचार रखती है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

श्रम और कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) जी, हां।

(ख) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र अपनी संसाधन स्थिति के आधार पर समय-समय पर पेंशन दरों में संशोधन करते रहते हैं। 1985 और 1988 के बीच विभिन्न राज्यों में पेंशन दरों में वृद्धि दर्शाने वाले विवरण संलग्न हैं (नीचे देखिये)।

(ग) और (घ) वृद्धावस्था पेंशन राज्य क्षेत्र के अंतर्गत आती है तथा राज्यों द्वारा अपने संसाधनों में से इनका भुगतान किया जाता है। इस समय वृद्धावस्था पेंशन आरंभ करने का केन्द्रीय सरकार का कोई प्रस्ताव नहीं है।

#### विवरण

| राज्य/संघ राज्य क्षेत्र | मार्च, 1985 में पेंशन दर | 1988 के दौरान पेंशन दर | शुद्ध वृद्धि |
|-------------------------|--------------------------|------------------------|--------------|
| 1. आंध्र प्रदेश         | 30.00                    | 30.00                  | —            |
| 2. अरुणाचल प्रदेश       | 60.00                    | 60.00                  | —            |
| 3. असम                  | 60.00                    | 60.00                  | —            |